



# NALANDA OPEN UNIVERSITY

Assignment Questions (Session 2019-21)

[for Annual Examination, 2021]

**M.A. MAITHILI, PART-II**

## सत्रीय कार्य जमा करने की विधि

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए, निर्धारित प्रोग्राम्स में, सत्रीय कार्य जमा करना आवश्यक है। इसके लिये प्रत्येक पत्र में सम्बन्धित विद्यार्थी को तीन प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 10-10 अंकों के) दिये गये हैं, जिनमें से दो प्रश्नों (कुल 20 अंक) का उत्तर अपने हस्तलिपि में विश्वविद्यालय द्वारा दी हुई सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका में लिखना है। विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे प्रत्येक पत्र के लिये दिये गये, निर्देश के अनुसार, स्वअध्ययन, स्वविवेक और अपनी प्रतिभा के अनुसार दो प्रश्नों का उत्तर अपने हस्तलिपि में लिखें। यह कार्य उन्हें अपने घर में रहकर करना है। किसी भी पुस्तक या नालन्दा खुला विश्वविद्यालय द्वारा दी गयी पाठ्यसामग्री से नकल करने पर उनकी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा। साथ ही, नियमानुसार, विश्वविद्यालय उनके विरुद्ध अलग से भी सख्त कार्यवाही कर सकेगा। विद्यार्थियों से अनुरोध है कि सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका तथा उसके लिफाफा पर वे अपना नाम, अनुक्रमांक तथा पत्र संख्या अवश्य लिखें। नामांकन संख्या (अनुक्रमांक) गलत होने पर सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा। प्रत्येक पत्र के सत्रीय कार्य को अलग-अलग लिफाफों में डालकर सील कर दें और सील बन्द लिफाफा को वे सम्बन्धित पत्र की लिखित परीक्षा के दिन अपने साथ परीक्षा केन्द्र पर लेते आयें, अर्थात्, जिस दिन प्रथम पत्र की लिखित परीक्षा हो, उस दिन वे प्रथम पत्र से सम्बन्धित सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका का सील लिफाफा अपने साथ परीक्षा हॉल में ले आयें और उसे अपने सीट पर रख लें। इसी प्रकार, जिस दिन द्वितीय पत्र की लिखित परीक्षा हो, उसी दिन द्वितीय पत्र से सम्बन्धित सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका का सील लिफाफा ले आयें। तदनुसार, अन्य पत्रों की लिखित परीक्षा के दिन, उन पत्रों से सम्बन्धित सील लिफाफा अपने साथ ले आयें और उसे अपने सीट पर रख लें। प्रत्येक दिन परीक्षा से सम्बन्धित वीक्षकगण आपके सीट से आपका सील लिफाफा संग्रह कर लेंगे और उपस्थित पंजी पर आपका हस्ताक्षर ले लेंगे, जो इस बात का प्रमाण होगा कि आपने पत्र के लिए अपना सत्रीय कार्य जमा कर दिया है। सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका को किसी भी हालात में डाक अथवा कुरियर से नहीं भेजें क्योंकि विश्वविद्यालय इसको स्वीकार नहीं करेगा। किसी भी पत्र में Theory Paper की परीक्षा समाप्त हो जाने के बाद, उस पत्र से सम्बन्धित सत्रीय-कार्य पुस्तिका स्वीकार नहीं की जायेगी।

## METHODS OF SUBMISSION OF ASSIGNMENT

Each student shall be required to submit two assignments of 20 marks in each theory paper of all programmes where no practical/project work is prescribed. For this purpose, the University administration will set out and provide to each student three different topics in each theory paper; out of which he/she will be required to write out and submit assignment work only on two topics of his/her choice in the answer book provided to him/her for this purpose by the University. Both the assignments, each carrying equal marks, shall be evaluated for the purpose of examination. It is again emphasized that writing of two assignment in each theory paper, where no practical/project work is prescribed, is compulsory and unless it is done and assignment copy submitted to the University on the date of the examination of the theory portion of the concerned paper, the study requirement of the student will not be taken to have been completed and he/she will be declared to have failed. Besides, it has, now, been decided by the University to club the marks obtained by a student in his/her assignment work/project work with the marks obtained by him/her in the written examination of that paper to determine his/her pass percentage in the concerned paper. Hence, it is in student's interest that he/she submits the assignment work in time. Students are also advised to prepare their assignments very carefully and meticulously. They must write assignment in their own handwriting. Assignment answers should not be copied from the learning material supplied by the University or from any other source. Assignments must be submitted in the answer books provided to the students by the University for this purpose. In no case, assignment written in private copy will be accepted by the University. In case of loss of assignment copy, fresh assignment copy may be procured from the University on payment of Rs. 100.00 by bank draft. Similarly, Project-Work, wherever prescribed, must also be submitted by the fixed date, failing which the student will be deemed to have failed in the concerned subject.

## ASSIGNMENT QUESTIONS (सत्रीय कार्य)

### MAITHILI PAPER-IX

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10-10 अंकों के हैं)

1. कविश्वर चन्दाझाक व्यक्तित्व निरूपण करू ।
2. मैथिली साहित्यक काव्यक उद्देश्य पर एकटा लेख लिखू ।
3. मैथिली कथाक तत्व पर विचार करू ।

### MAITHILI PAPER-X

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10-10 अंकों के हैं)

1. मिथिला भाषा रामायण पर प्रकाश दिअ ।
2. लालदासक कृतित्व सँ परिचय कराउ ।
3. 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण' क आधार पर बालकाण्डक मुख्य कथावस्तु सँ परिचय कराउ ।

### MAITHILI PAPER-XI

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10-10 अंकों के हैं)

1. बोली और भाषाक मध्यक अन्तर ज्ञात कराउ ।
2. शब्दक आगम, लोप एवं विपर्यय सँ परिचय कराउ ।
3. देवनागरी लिपिक विकासक वर्णन करू ।

### MAITHILI PAPER-XII

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10-10 अंकों के हैं)

1. मैथिली उपन्यासक विविध रूप सँ परिचय कराउ ।
2. 'नवतुरिया' उपन्यासक आधार पर मिथिलाक तत्कालीन स्थितिक वर्णन करू ।
3. 'पृथ्वीपुत्र' में प्रयुक्त पात्रक कथोपकथन एवं भाषा पर विचार करू ।

### MAITHILI PAPER-XIII

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10-10 अंकों के हैं)

1. जीवन झा मैथिली नाटकक जन्मदाता छथि, प्रमाणित करू ।
2. सुधांशु शेखर चौधरीक रचना सौष्टव सँ परिचय कराउ ।
3. 'मोछ संहार' एकांकीक उद्देश्य निरूपित करू ।

### MAITHILI PAPER-XIV

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10-10 अंकों के हैं)

1. मैथिली महाकाव्यक विकासक परिचय दिअ ।
2. 'अगस्त्यानी' महाकाव्यक काव्य सौष्टव पर प्रकाश दिअ ।
3. 'भारती' खण्ड काव्यक मुख्य उद्देश्य निरूपित करैत एकर भाव स्पष्ट करू ।

### MAITHILI PAPER-XV

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10-10 अंकों के हैं)

1. 'युगवाणी' कविताक आशय स्पष्ट करू ।
2. 'पिता-पुत्र संवाद' कविताक प्रतिपाद्य स्पष्ट करू ।
3. 'प्रवास' कविताक संदेश निरूपित करू ।

### MAITHILI PAPER-XVI

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10-10 अंकों के हैं)

1. मैथिली पत्र-पत्रिका अल्प जीवी रहल तकर कारणक उल्लेख कराउ ।
2. मैथिली साहित्यक आलोचना में रमानाथ झाक स्थान निरूपित कीजिए ।
3. मैथिलिक विकास में 'मिथिला हित साधन' क योगदान निरूपित करू ।